Bihar Board Class 7 Science Notes Chapter 1 जल और जंगल

जल ही जीवन है। बिना जल के जीवन संभव नहीं है। प्राय: गर्मी के दिनों में अत्यधिक जल की कमी आ जाती है। पृथ्वी के तीन भाग जल से घिरा है फिर भी जल की कमी है। पृथ्वी पर जल है लेकिन खारा जल है। मृदु जल की कमी है। माना कि 20 लीटर कुल जल पृथ्वी पर है तो उसमें 500 ml. जल ही मृदु जल है। जल की तीन अवस्थाएँ होती हैं। भूमिगत जल (नदियों, तालाबों और झरनों के जल) और वाष्प । जल चक्र के द्वारा जल का संतुलन रहता है फिर भी मृदु जल की कमी होती है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या, उद्योगों का तेजी से बढ़ना, सिंचाई के साथ ही साथ कुप्रबंधन जल की कमी के कारण हैं। भौमजल अर्थात् भूमिगत जल कुआँ, नलकूपों और बोरिंग से प्राप्त करते हैं। भौम जल-स्तर सभी जगह समान नहीं है। कहीं कम गहराई तो कहीं ज्यादा गहराई पर जल प्राप्त होता है।

भौमजल, वर्षा, जल, नदियों, तालाबों का जल मिट्टी से रिसकर भूमि के नीचे गड्ढों, दरारों में एकत्रित होता है। भौमजल पूर्ति का सबसे प्रमुख प्रक्रिया वर्षा जल का रिसना । जनसंख्या की वृद्धि के कारण नगरों का विकास, औद्योगिकीकरण वन का कटाव के कारण भौमजल का स्तर गिर गया है। नलकूपों से सिंचाई, पम्पसेटों से सिंचाई के कारण भी भौमजल का जलस्तर कम हुआ है। वनों की कटाई के कारण वर्षा का कम होना भीमजल का जलस्तर कम हुआ है।

हमारे देश के कई भागों में घन-घोर जंगल है जहाँ भिन्न-भिन्न प्रकार के पेड़ और पशु-पक्षी रहते हैं। वनों तथा उसमें पाये जाने वालों जानवरों की रक्षा सरकार करती है। जंगलों को कटाई पर आज रोक लगी हुई है। हिमालय के पहाड़ों पर चीड़ और देवदार के वृक्ष पाये जाते हैं। बिहार के चम्पारण क्षेत्र में साल और सागवान के पेड़ पाये जाते हैं। वनों के पशु पेड़ों पर निर्भर रहते हैं। पौधे स्वपोषी होते जवकि पशु परपोषी और मृतपोषी होते हैं। जैसे-घास को कीट, कीट को ओढ़क, मेढ़क को सांप, सांप को गरुड़ इस तरह खाद्य श्रृंखला बनती है। अर्थात् वनों के विभिन्न घटक एक दूसरे पर निर्भर है। वन मृदा को अपरदन से बचाती है।

मिट्टी की सबसे ऊपरी परत ह्यूमस होता है। सूखी पत्तियाँ घास-फूस सड़कर मिट्टी को ह्यूमस बनाती है। छोटे-छोटे जीव जिन्हें हम खुली आँखों से नहीं देख सकते हैं जिन्हें हम माइक्रोस्कोप की सहायता से देखते हैं, ऐसे जीव को सूक्ष्मजीव कहते हैं। मृत जीव-जन्तु अपघटित होकर हामस में परिवर्तित हो जाते हैं। ये पौधों के पोषण में सहायक होते हैं।

पौधे पृथ्वी से जल अवशोषित करते हैं और जलवाष्प के रूप में जल बाहर निकालते हैं। पेड़-पौधे भूअपरदन को रोकता है और भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाता है। वन हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। इसकी रक्षा करनी चाहिए।

https://www.evidyarthi.in/